पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.) 05/0084/09-11

इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

आर्य कार्यकर्त्ता बैठक

रविवार, 6 नवम्बर 2011

सांय 4 बजे

स्थान : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-7

सभी आर्ययुवक, आर्यजन समय पर पहुंचे।

-महेन्द्र आर्य, महामन्त्री

फोन न. 9013137070

वर्ष-28 अंक-11 कार्तिक-2068 दयानन्दाब्द 188 1 नवम्बर से 15 नवम्बर 2011 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

महर्षि दयानन्द सरस्वती का 128 वां बलिदान दिवस सौल्लास सम्पन्न

महर्षि दयानन्द ने समाज की दिशा व दशा बदली –महापौर प्रो. रजनी अब्बी का आह्वान

रविवार, 30 अक्टूबर 2011, समारोह की मुख्य अतिथि प्रो. रजनी अब्बी (महापौर, दिल्ली) का शाल व स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन करते श्री भारतभूषण साहनी, प्रवीन आर्या, प्रदीप तायल, डा. अनिल आर्य व देवेन्द्र भगत व सामने उपस्थित श्रद्धालु आर्यजन।

नई दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वाधान में पीतम पुरा के "दिल्ली हाट" में महान समाज सुधारक, आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती का "128 वां बलिदान दिवस" सौल्लास मनाया गया। समारोह में हजारों आर्य जनों ने पहुँच कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये तथा महर्षि दयानन्द के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

समारोह की मुख्य अतिथि महापौर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने समाज की दिशा व दशा को बदलने में अविस्मरणीय कार्य किया। उस समय समाज में कुरीतियों का बोलबाला था, नारी शिक्षा अधूरी थी, देश परतन्त्रता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था ऐसे अन्धकारमय वातावरण में आकर स्वामी दयानन्द ने समाज में नये रक्त का संचार किया। जीवन में 17 बार जहर पीकर भी असत्य से समझौता नहीं किया, वह सत्य पर सदा अडिग रहे, वह केवल वेद्धोद्धारक ही नहीं अपितु स्वतन्त्रता सेनानी, महान समाज सुधारक भी थे, उनके नारी उत्थान, बाल विवाह, नारी शिक्षा, विधवा विवाह आदि सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में योगदान को हमेशा याद रखा जायेगा।

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि ऋषि दयानन्द समग्र क्रान्ति के अग्रदूत थे, वह केवल धर्म व अध्यात्म तक ही सीमित नहीं थे, अपितु उन्होंने सामाजिक न्याय, राजनीति, अर्थ नीति व शिक्षा नीति पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उनकी प्रेरणा पर हजारों नौजवान देश की आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। आवश्यकता इस बात की है कि हम आज उनके बलिदान दिवस पर कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, जातिवाद, प्रान्तवाद, आतंकवाद जैसी कुरीतियों को समाज से मिटाने का संकल्प ग्रहण करें। समारोह की अध्यक्षता समाज सेवी श्री प्रदीप तायल (पाईटैक्स ज्वैलर्स, पीतमपुरा) ने की। श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन, सुदेश आर्या, ऋचा–प्रिया गुलाटी के मधुर भजनों पर लोग झूम उठे।

इस अवसर पर पार्षद सुदेश भसीन, दीपक सेठिया, राजकुमार जैन, परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री महेन्द्र भाई, देवेन्द्र भगत, धर्मपाल आर्य, दुर्गेश आर्य, यशोवीर आर्य, प्रवीन आर्या, भारतभूषण साहनी, सुदेश भगत, तिलक चान्दना, अश्वनी सचदेवा, प्रभा सेठी, गायत्री मीना, ओम सपरा, डी.के. नारंग, राजीव आर्य, विनेश आहूजा, यज्ञ शरण कुलश्रेष्ठ, सुभाष वधवा, रवि चड्डा, ओमप्रकाश मनचन्दा, दुर्गाप्रसाद कालरा, बी.बी.तायल, सोहनलाल मुखी, सत्यप्रकाश आर्य, कृष्णा सपरा, अर्चना पुष्करणा, रचना आहूजा, उर्मिला आर्या, रविन्द्र मेहता, जगदीशशरण आर्य आदि भी उपस्थित थे।

समारोह का शुभारम्भ आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवा कर किया। आर्य समाज की 15 सर्वश्रेष्ठ कर्मठ महिलाओं का "आर्य महिला रत्न अवार्ड" से अभिनन्दन किया गया। समारोह के पश्चात सभी आर्यजन ऋषि लंगर का आनंद लेकर घरों को विदा हुये।

महर्षि दयानन्द का बलिदान सदैव प्रेरणा प्रदान करता रहेगा

–मुख्यमन्त्री शीला दीक्षित का आह्वान

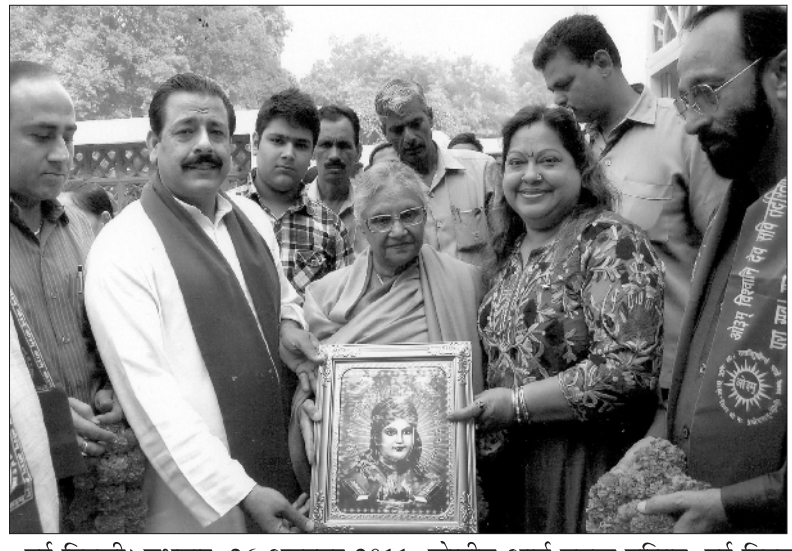

नई दिल्ली। बुधवार, 26 अक्टूबर 2011, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वाधान में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती का 128 वां बलिदान दिवस मुख्यमन्त्री निवास, 3, मोतीलाल नेहरू पैलेस में सौल्लास मनाया गया।

मुख्यमन्त्री श्रीमती शीला दीक्षित ने कहा कि महर्षि दयानन्द महान समाज सुधारक थे, उन्होंने समाज को एक नया चिन्तन व दिशा प्रदान की, उनका बलिदान सदैव समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि आर्य जन प्रान्तवाद व जातिवाद से उपर उठकर प्रत्येक मानव मात्र के लिए सेवा का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमन्त्री श्रीमती शीला दीक्षित को शाल व स्वामी दयानन्द का चित्र भेंट करके केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, कै. अशोक गुलाटी, शिशुपाल आर्य, सुरेश आर्य, वेदप्रकाश आर्य ने अभिनन्दन किया। आचार्य महेन्द्र भाई ने वेद मन्त्रों के पाठ के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

उल्लेखनीय है कि दीपावली के दिन 30 अक्टूबर 1883 को अजमेर में महर्षि दयानन्द का बलिदान हुआ था।

सामाजिक बहिष्कार किसका करें?

–डा.प्रवीण भाई तोगडिया, महामंत्री विश्व हिन्दू परिषद्

'भारत से कश्मीर तोड़ो' यह माँग लेकर केवल कश्मीर और पाकिस्तान के जेहादी ही नहीं अपितु भारत माता के अन्न-जल पर पले-बढ़े, भारत के संविधान द्वारा दिए हुए अधिकारों से कुछ भी बकने वाले कुछ ऐसे भी लोग निकले हैं, जिन्हें भारत की उच्चतम शिक्षा प्रणाली से उच्च शिक्षा का लाभ मिला, कुछ वकील हैं, कुछ गिने-चुने टीवी चैनलों के वामवादी पत्रकार, कुछ भारत की सेवा प्रणाली में प्रशिक्षण पाए पूर्व अधिकारी तो कुछ ऐसे ही ! ये लोग खुद को उच्च शिक्षा विभूषित, देशप्रेमी, भारत के संविधान के प्रति निष्ठा रखने वाले कहलाते हैं और एक आवाज में भारत से कश्मीर तोड़ना यह एजेंडा लेकर निकले हैं! भारत के संविधान ने कश्मीर को भारत का अविभाज्य अंग माना है। यह सत्य ये लोग इस चतुराई से भूल जाते हैं कि जिस चतुराई से बिल्ली भी जो उसका नहीं, वह दूध चुराकर पिए ! प्राणी को भी एक समझ होती है और जिसका खाएं उनके साथ द्रोह नहीं करते हैं ! लेकिन जेहादियों के साथ, नक्सलियों के साथ बैठ कर सिखों को, सनातनियों को, कश्मीरी पंडितों को, जैनों को और अन्य सबको जो इनके विचारों से सहमत नहीं, बुरा-भला कहने में ये लगे रहते हैं !

भारत पर गत कई वर्षों में अनेक जेहादी हमले हुए, दिल्ली दहली, जिस संसद में ये कुछ देश के लिए उपयुक्त कानून पारित कराने की बातें करते हैं, उस संसद पर भी जेहादी हमला हुआ, मुंबई, बेंगलूरू, काशी और अन्य कई स्थानों पर जेहादी हमले हुए, हजारों निर्दोष भारतीयों के प्राण गए, कई जन्म भर के लिए अपाहिज हुए, कई परिवार अब भी सदमे से नहीं उबरे लेकिन इन जेहादी-मित्रों ने कभी इन हमलों का धिक्कार (निन्दा) नहीं किया ! तब इनकी पटर-पटर करने वाली वाणी मौन होती है जब देश पर जिहादी या नक्सली हमले होते हैं, हमारे पोलिस, शूर जवान आये दिन कश्मीर, असम और अन्य स्थानों पर शहीद हो रहे हैं. लेकिन कश्मीर के एक ही मजहब के लोगों का देश से टूटना इनको दिखता है!

1947 में पाकिस्तान से, संपूर्ण अखंड कश्मीर से और 1990 में कश्मीर से खदेड़े गए हिंदुओं के, सिखों के आँसू, उनकी बहू-बेटियों की चीखें इनके लिए कोई मायने नहीं रखती और ये खुद की देशभक्ति की दुहाई देते हैं ? कौन सी देशभक्ति? जो देश का अविभाज्य अंग देश से तोड़कर फेंक देना सिखा रही है ? ऊपर से इनकी मगरूरी की गत कई वर्षों से जो कश्मीर भारत से अलग करने का षडयंत्र चला रहे हैं, उनके प्रति भारत के युवाओं का आक्रोश एक थप्पड़ से व्यक्त होता है तो ये लोग उन्हें देशद्रोही करार देकर देश बाहर करने की, उनका सामाजिक बहिष्कार करने की बातें करने लगे?

हिंसा का समर्थन कोई सज्जन व्यक्ति नहीं करेगा – ये देश तोड़क लोग हमें भले ही सज्जन ना माने, लेकिन आज भारत की बहुसंख्य जनता भारत से कश्मीर तोड़ने की बात करने वाले को दुर्जन और देशद्रोही ही मानती है ! इन्हें कश्मीर के जेहादियों का दु:ख दिखता है – कौन सा दु:ख ? 1990 में कश्मीरी पंडितों को और सिखों को मारा, खदेड़ा, उनकी जमीनें, घर, बहू-बेटियाँ छीनी, बेटियों की छाती पर लिखा 'हिन्दुओं, सिखों – कश्मीर छोडो' ये सारी बातें इन्हें नहीं दिखी ? दिखती है, लेकिन कश्मीर तोड़कर भारत का अंग अलग करने का महा-षडयंत्र इन्हें अधिक भाता है ! ऊपर से उसका ये समर्थन भी करते हैं कि ऐसा नहीं करेंगे, कश्मीर से सेना नहीं हटायेंगे तो कश्मीर का अफगानिस्तान हो जाएगा ! इतनी बड़ी धमकी समूचे भारत को ये देते हैं, क्या यह भारत के समाज और भारत संविधान के प्रति की गयी मानसिक और राजनीतिक हिंसा नहीं ? हिंसा केवल शारीरिक नहीं होती! अब ये जरुर कहेंगे कि तोगड़िया हमें अहिंसा ना सिखाये सिखाऊंगा !

यदि अहिंसा और देशप्रेम का ढकोसला देकर, सज्जन और देश की सीमा पर लड़े शूर वयोवृद्ध) सत्याग्रही के पीछे छुप कर शायद उनकी भी इसे सम्मति नहीं होगी कि कश्मीर भारत से तोड़ा जाये! ये देश की अखंडता पर शाब्दिक, कायिक, मानसिक, राजनीतिक वार करेंगे तो तोगड़िया ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत इन्हें सच्ची अहिंसा सिखाएगा और समूचे भारत को आह्वान करेगा कि जो भी कश्मीर को भारत से तोड़ने की बात करेंगे, इस बात पर असहमति जतानेवालों को 'देश बाहर करो, उन का सामाजिक बहिष्कार करो', ऐसी देशद्रोही, भड़काऊ बयानबाजी करेंगे, उनका ही सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और अन्य सभी प्रकार का बहिष्कार भारत का हर व्यक्ति करे, जो यह मानता है कि कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है और किसी भी हालत में उसे तोड़ना नहीं चाहिए !

मेरे इस आह्वान को तोड़-मरोड़कर पेश करने की होड़ अब लगेगी, कुछ अति 'सेकुलर' यह भी कहेंगे कि उन 3 युवाओं ने उच्चतम न्यायालय में घुसकर जो किया, उस हिंसा का तोगड़िया समर्थनकर्ता है – मैंने पहले भी कहा कि किसी भी हिंसा का – फिर वह शारीरिक हिंसा हो या सामाजिक, मानसिक हिंसा हो – मैं या भारत का कोई भी सज्जन, सुसंस्कृत व्यक्ति समर्थन नहीं करता, लेकिन ये कश्मीर तोड़ने पर आमादा लोग हमारे ही देश के संविधान का दुरुपयोग हमारे ही विरुद्ध करने लगे, तो भारत इन का सामाजिक, राजनीतिक अवश्य बहिष्कार करेगा ! ना इनसे रोटी-बेटी सम्बन्ध रखेगा ना इन्हें अपना मानेगा !

भारत के सुविज्ञ और धार्मिक नागरिक इन पर हाथ ना उठायें, क्योंकि यह हमारी संस्कृति नहीं मनुष्य को भगवान् ने बनाया है और मनुष्य के पापों के लिए उसे दंड देना केवल भगवान् ही कर सकते हैं, खुद को भगवान् समझकर – कितना भी आक्रोश हो, क्रोध हो, दु:ख हो – किसी को दंड देने का काम मनुष्य ना करे ! उन्हें भगवान् अवश्य सबक सिखायेंगे जो कश्मीरी पंडितों, सिखों के दु:ख का मजाक उड़ाते हैं और उनको ही देश बाहर करने की बातें करते हैं!

हमें लगा था कि देश से भ्रष्टाचार का निर्मूलन करने निकले हैं तो देशभक्त होंगें, लेकिन उनमें ऐसे कुछ देश तोड़क भी दिखे ! सभी नहीं, लेकिन कुछ तो हैं ! सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक बहिष्कार क्या होता है, यह अब भारत उन्हें संपूर्ण लोकतांत्रिक, अहिंसात्मक रीति से दिखायेगा! भारत का युवा साथ देता है देशप्रेम के लिए, वे ही देशप्रेम त्याग कर देश तोड़ने निकले तो ऐसा युवा शांतिपूर्ण बहिष्कार करना भी जानता है! सरकार हो या ऐसे कई भारतीय हों या यासीन मलिक के अलग अवतार हों, कोई भी कश्मीर भारत से तोड़ने की बात भी ना करे या भारत का अफगानिस्तान हो जाएगा यह देशद्रोही धमकियाँ भी ना दें।

सीमाओं पर तैनात हमारी सेना जानती है कि वे किन हालातों का सामना करते हैं, वे देश की रक्षा करना भी जानते हैं – उनका मनोबल ऐसी ऊटपटांग बातों से गिराने का प्रयास भी कोई ना करें ! अब आखिरी प्रश्न यह कि थप्पड़ मारी तो हिंसक-हिंसक कहकर 3 युवाओं को कुछ मीडिया ने लताड़, उन 3 पर तो कानूनी कार्रवाई हुई – ठीक भी है – लेकिन, कानून कार्रवाई या रिपोर्टिंग या चर्चाएँ एकांगी क्यों? भारत से तोड़कर कश्मीर अलग किया जाय, भारत का अफगानिस्तान होगा, कश्मीरी पंडितों को देश बाहर किया जाय, ऐसी भड़काऊ देशद्रोही धमकियाँ देने के लिए इन जेहादी-मित्रों पर सरकार ने क्या कानूनी कार्रवाई की ? नहीं की तो भारत यह भी जानता है कि ऐसी सरकार में बैठी पार्टियों का भी राजनीतिक बहिष्कार कैसे किया जाता है !

कश्मीर भारत से तोड़ने का समर्थन करने वाले ये लोग जिन संघठनों और आंदोलनों से जुड़े हैं – वे और उनके मंच पर भाषण देकर मीडिया में हीरो बने सभी लोग भारत को स्पष्ट करें कि कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है यह संवैधानिक, सांस्कृतिक सत्य वे मानते हैं या अपने सहयोगी का वक्तव्य मानते हैं जो कश्मीर भारत से तोड़ने की बात करते हैं !

आर्य समाज नोएडा का वार्षिकोत्सव

आर्य समाज, सैक्टर 33, नोएडा का भव्य वार्षिकोत्सव दिनांक 8 से 11 दिसम्बर 2011 तक सौल्लास मनाया जायेगा। डा. महावीर अग्रवाल की वेदकथा व श्री भानुप्रकाश शास्त्री के मधुर भजन होगें। **–कै. अशोक गुलाटी, प्रधान**

तर्ज-ज्योति से ज्योति जगाते चलो...

ओ३म् ध्वजा को फहराते चलो,
धरती को स्वर्ग बनाते चलो।
पाप से खुद को बचाते चलो,
औरों को खुशिया लुटाते चलो।।

जीवन दाता भाग्यविधाता, वही है सबका स्वामी।
पाप पुण्य सब कुछ जाने, वो है सर्वान्तर्यामी।।
भक्ति में उसकी रमाते चलो, मुक्ति का रस्ता बनाते चलो।।।

धनी व निर्धन सज्जन दुर्जन सभी है उसने बनाये।
महा उपकारी देव दयामय, आज्ञा उसकी निभाएं।।
दौलत दया की लुटाते चलो, दुनिया को अपनी बनाते चलो।।।

ऊँच नीच के झूठे झगड़े, मजहब हमने बनाये।
पंच तत्त्व से निर्मित सारे, भेद कहाँ से आये।।
घृणा को मन से मिटाते चलो, महिमा उसकी बताते चलो।।।

हम अज्ञानी करे नादानी, उसको समझ नहीं पाते।
हर पल रहता संग में अपने फिर भी लख नहीं पाते।।
सत्य की राह बताते चलो, दुनिया को धर्मी बनाते चलो।।।

जग आधारी न्यायकारी, निर्णय उसका निराला।
जो प्रभु की शरण में आवे, लखता वही उजाला।।
प्रभु से हम तो हैं बिछड़े हुए, मिलने का रस्ता बनाते चलो।।।

सत्य की शुद्धि, निर्मल बुद्धि, भेद समझ में आवे।
बंधन टूटे मुक्ति लूटे, नजर प्रभु खुद आवे।।
नेह नैया पे बिठाते चलो, आलोक में उसके नहाते चलो।।।

–सोहन लाल साहित्य रत्न, 96-सी, किदवई मार्ग, छज्जूपुर, शाहदरा, दिल्ली 110032

आगरा में उत्तर प्रदेश प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन सौल्लास सम्पन्न

शनिवार, 29 अक्टूबर 2011, आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में राजकीय इन्टर कालेज, पंचकुईयां, आगरा में तीन दिवसीय प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। उपरोक्त चित्र में मंच पर परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, श्री राजसिंह आर्य, उ.प्र. के सभा प्रधान श्री देवेन्द्र पाल वर्मा, श्री वेदव्रत अवस्थी, श्रीमती आशा रानी, सभा मंत्री श्री जयनारायण अरूण आदि। सामने भव्य पण्डाल का सुन्दर दृश्य।

ध्वजारोहण का दृश्य:-श्री वेदव्रत अवस्थी, श्री मायाप्रकाश त्यागी, (सभा कोषाध्यक्ष) स्वामी सुमेधानंद जी (प्रधान सार्वदेशिक सभा) श्री देवेन्द्रपाल वर्मा, स्वामी आर्यवेश जी (संयोजक, सार्वदेशिक सभा) श्री जयनारायण अरूण (सभा मंत्री), डा. अनिल आर्य व स्वामी विश्वानंद सरस्वती। द्वितीय चित्र में पुस्तक विमोचन करते बायें से श्रीमती आशा रानी, श्री राजसिंह आर्य, श्री मायाप्रकाश त्यागी, श्री देवेन्द्र पाल वर्मा, डा. विद्या सागर (प्रधान, उपसभा, आगरा), स्वामी सुमेधानंद जी, स्वामी आर्यवेश जी व डा. अनिल आर्य। श्री रमाकांत सारस्वत के कुशल संयोजन में सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 100 युवकों का जत्था शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रहा था। राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई, रामकुमार सिंह, आनंदप्रकाश आर्य, प्रवीन आर्य, डा. वीरपाल विद्यालंकार, प्रकाश वीर शास्त्री, कैप्टन अशोक गुलाटी, शिशुपाल आर्य नेतृत्व कर रहे थे। प्रदीप आर्य व अरूण आर्य के संयोजन में युवक व्यायाम प्रदर्शन कर रहे थे।

आर्य समाज, सुभाष नगर, दिल्ली

रविवार, 30 अक्टूबर 2011, आर्य समाज, सुभाष नगर, दिल्ली में सम्बोधित करते डा. अनिल आर्य, साथ में श्री संजीव आर्य दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली चलो! दिल्ली चलो!!

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन
251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 27, 28, 29 जनवरी 2012 को 251 कुण्डीय विराट् यज्ञ व अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन रामलीला मैदान, जी.टी.बी. एनक्लेव, दिलशाद गार्डन, पूर्वी दिल्ली में होगा। सभी आर्य समाजें, आर्य जन उपरोक्त तिथियां नोट कर लें। कृपया अपने पधारने की व संख्या के बारे में तुरन्त सूचित करें।

डॉ. अनिल आर्य	महेन्द्रभाई	रामकुमार सिंह	यशोवीर आर्य
अध्यक्ष	महामन्त्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

रविवार 13 नवम्बर को सैनिक फार्म चलो

कृष्णा महेश गायत्री संस्थान नई दिल्ली के तत्त्वावधान में रविवार 13 नवम्बर 2011 को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक वेद मन्दिर आर्य समाज सैनिक फार्म, नई दिल्ली-62 में बाल दिवस व वैदिक संत्सग समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। डा. योगानन्द शास्त्री (अध्यक्ष दिल्ली विधान सभा) मुख्य अतिथि होगें।

इस अवसर पर विद्यालयों के बच्चों की भाषण प्रतियोगिता "स्वतन्त्रता आन्दोलन में महर्षि दयानन्द का योगदान" विषय पर होगी। प्रथम पुरस्कार 2100/- रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1500/-रुपये व तृतीय पुरस्कार 1100/-रुपये व स्मृति चिन्ह साथ में दिया जायेगा। कार्यक्रम पश्चात ऋषि लंगर की व्यवस्था रहेगी।

नवीन रहेजा, प्रधान — **डा. अनिल आर्य**, संयोजक

आर्य समाज, कोटला मुबारकपुर, दिल्ली

आर्य समाज, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली के चुनाव में प्रधान श्री ओमप्रकाश गर्ग, उपप्रधान श्री रामलाल खट्टर, महामंत्री श्री बालकिशन दास आर्य, सहमंत्री श्री दीपचन्द आर्य व कोषाध्यक्ष श्री अनिल गुप्ता चुने गये। तदर्थ बधाई।

मानव सेवा प्रतिष्ठान, दिल्ली

मानव सेवा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के तत्वाधान में अभिनन्दन व छात्रवृत्ति प्रदान समारोह रविवार 27 नवम्बर 2011 को प्रात: 10 से 1बजे तक गुरूकुल गौतम नगर, नई दिल्ली में होगा। **-राजबीर सिंह शास्त्री, महामंत्री**

श्रीमती सरस्वती देवी का निधन

आर्य समाज दादों अलीगढ़ उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रधान श्री सरनाम सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती देवी का दिनांक 25.09.2011 को देहावसान हो गया। आर्य जगत की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। **-डा. ऋषिपाल शास्त्री**

आर्य समाज सन्देश विहार का वार्षिकोत्सव

आर्य समाज सन्देश विहार दिल्ली का वार्षिकोत्सव दिनांक 11,12, 13 नवम्बर 2011 को सौल्लास मनाया जा रहा है। आचार्य संदीप जी सोनीपत के प्रवचन होंगे।

शशिभूषण मल्होत्रा, प्रधान — **दुर्गेश आर्य, मंत्री**

आगरा सम्मेलन के संयोजक श्री रमाकांत सारस्वत

आर्य प्रतिनिधि उपसभा, आगरा के मंत्री व प्रान्तीय सम्मेलन के संयोजक श्री रमाकांत सारस्वत उद्बोधन देते हुए श्री रमाकांत सारस्वत आर्यसमाज के कर्मठ कार्यकर्त्ता व समर्पित व्यक्तित्व के धनी है। इन्होंने जिस कर्मठता से सारे सम्मेलन की व्यवस्थाएं, आवास, ऋषि लंगर, पंडाल की सजावट आदि की। वह सभी प्रशंसनीय है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से सम्मेलन की सफलता के लिए हार्दिक बधाई। **–अनिल आर्य**

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की बैठक सम्पन्न

रविवार, 23 अक्टूबर 2011, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली की एक महत्वपूर्ण बैठक, दयानंद भवन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली में सभा के कार्यकर्त्ता अध्यक्ष श्री सत्यव्रत सामवेदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

चित्र में श्री सामवेदी को 'स्मृति चिन्ह' भेंट करते स्वामी आर्यवेश जी (संयोजक सार्वदेशिक सभा), श्री विठ्ठलराव आर्य (सभाप्रधान, आन्ध्र प्रदेश), श्री विरजानंद (अलवर) व परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य।

आर्य समाज, ग्रुप हाउसिंग, विकासपुरी, दिल्ली

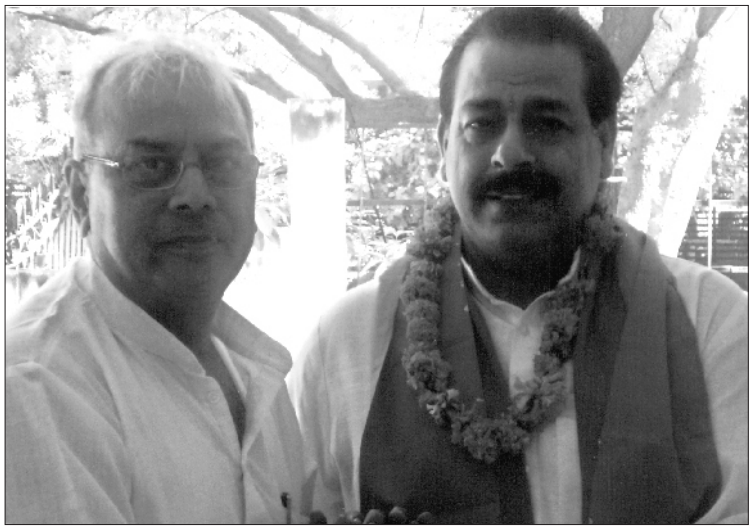

रविवार, 16 अक्टूबर 2011, आर्यसमाज, ग्रुप हाउसिंग विकासपुरी दिल्ली के समारोह में डा. अनिल आर्य का स्वागत करते श्री कृष्णलाल चावला जी।

आर्य समाज, बाहरी रिंग रोड, विकासपुरी, दिल्ली

रविवार, 16 अक्टूबर 2011, आर्यसमाज, बाहरी रिंगरोड, विकासपुरी, दिल्ली में परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य का स्वागत करते हुए।

आर्य समाज, बी ब्लाक, जनकपुरी, दिल्ली

रविवार, 16 अक्टूबर 2011, आर्यसमाज, बी ब्लाक, जनकपुरी, दिल्ली में सम्बोधित करते डा. अनिल आर्य, साथ में प्रधान डा. सुन्दर लाल कथुरिया व आचार्या सुमेधा जी दिखाई दे रही हैं।

आर्य समाज, सुन्दर विहार, दिल्ली

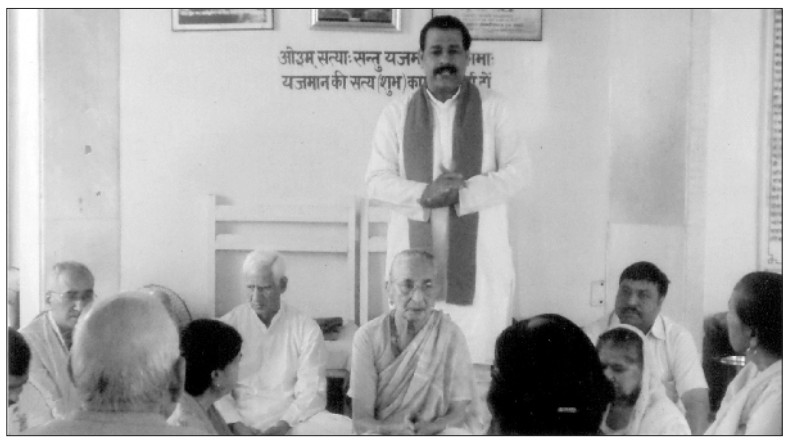

रविवार, 16 अक्टूबर 2011, आर्य समाज, सुन्दर विहार, दिल्ली में सम्बोधित करते डा. अनिल आर्य। चित्र में मंत्री श्री अमरनाथ बत्रा, श्री खेत्रपाल जी व दिनेश आर्य दिखाई दे रहे हैं।

आर्य समाज, हरि नगर, घन्टाघर, दिल्ली

रविवार, 16 अक्टूबर 2011, आर्यसमाज, हरिनगर घन्टाघर, दिल्ली में सम्बोधित करते डा. अनिल आर्य।

हिन्दी के पुरोधा राजकरण सिंह का निधन

भारतीय भाषाओं के उत्थान के लिए देश भर में चलाये गये आन्दोलन के अग्रदूत श्री राजकरण सिंह का गत 30 अक्टूबर 2011 को उत्तर प्रदेश के बारा बंकी में हृदय गति रूक जाने से निधन हुआ। विनम्र श्रद्धांजलि

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970